पाठ्यक्रम, सत्र 2020-21
कक्षा : 10 विषय : हिन्दी (अ)

क्षितिज, भाग 2		कृतिका, भाग 2	व्याकरण एवं रचनात्मक लेखन
काव्य खंड	• पद (सूरदास) • राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद (तुलसीदास) • उत्साह, अट नहीं रही है (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला) • कन्यादान (ऋतुराज)	• माता का आँचल (शिवपूजन सहाय) • जार्ज पंचम की नाक (कमलेश्वर) • साना–साना हाथ जोड़ि .... (मधु कांकरिया)	• रचना के आधार पर वाक्य भेद व रचनांतरण • वाच्य/वाच्य परिवर्तन • पद परिचय • रस एवं भेद (उदाहरण सहित) • औपचारिक पत्र लेखन • अनौपचारिक पत्र लेखन • संकेत बिन्दुओं के आधार पर समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों पर **अनुच्छेद** लेखन (80-100 शब्द) • विज्ञापन–लेखन 25-50 शब्द) • **सन्देश लेखन** (30-40 शब्द) • अपठित/पठित बोध (गद्यांश व पद्यांश) का अभ्यास
गद्य खंड	• नेताजी का चश्मा (स्वयं प्रकाश) • बालगोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी) • लखनवी अंदाज (यशपाल) • मानवीय करूणा की दिव्य चमक (सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)		

नोट : सी. बी. एस. ई. के नवीनतम निर्देशानुसार निम्नलिखित पाठों से प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे :–

क्षितिज, भाग 2

काव्य खंड

- सवैया–कवित्त (देव)
- आत्मकथ्य (जयशंकर प्रसाद)
- यह दंतुरित मुसकान, फसल (नागार्जुन)
- छाया मत छूना (गिरिजा कुमार माथुर)
- संगतकार (मंगलेश डबराल)

गद्य खंड

- एक कहानी यह भी (मन्नू भंडारी)
- स्त्री–शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन (महावीर प्रसाद द्विवेदी)
- नौबतखाने में इबादत (यतीन्द्र मिश्र)
- संस्कृति (भदंत आनंद कौसल्यायन)

कृतिका, भाग 2

- एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा! (शिवप्रसाद मिश्र 'रूद्र')
- मैं क्यों लिखता हूँ? (अज्ञेय)

समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति, वार्षिक परीक्षा और परिणाम